२ गोल

कहानी का सारांश

यह कहानी एक प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद कि है। वे तीन बार ओलम्पिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे। उन्होंने बताया है कि कैसे उन्होंने खेल भावना और लगन से हॉकी में महारत हासिल की।

उन्होंने एक घटना का जिक्र किया है जिसमें एक प्रतिद्वंद्वी ने उन्हें चोट पहुंचाई थी, लेकिन उन्होंने शांति से बदला लिया और प्रतिद्वंद्वी को खेल भावना का महत्व समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता और उन्हें "हॉकी का जादूगर" कहा जाने लगा।

शिक्षा:-

- सफल होने के लिए हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।
- खेल भावना से हम जीवन में कई मुश्किलों को पार कर सकते हैं।
- दूसरों को प्रेरित करना और उनके साथ काम करना महत्वपूर्ण है।
- अपने देश के लिए कुछ करना हमारे लिए गर्व की बात है।

शब्दार्थ:

धक्का-मुक्की : धक्का, मारपीट, हाथापाई
नोंक-झोंक : विवाद, झगड़ा, तकरार
मुकाबला : मैच, प्रतिस्पर्धा, प्रतियोगिता
कोशिश : प्रयास
बेकार : व्यर्थ, निरर्थक, बेफायदा
गुस्सा : क्रोध, आक्रोशत
झटपट : जल्दी, तुरंत, शीघ्र
शर्मिंदा : लज्जित, अशांत
लगन : मेहनत, प्रयास, परिश्रम
साधना : अभ्यास, तपस्या
खेल भावना : खेल का भाव
सफलता : कामयाबी, उपलब्धि
गुरु मंत्र : उपदेश, सीख
साधारण : सामान्य, सरल
दिलचस्पी : रूचि
भर्ती : नियुक्त
नौसिखिया : अनुभवहीन
निखार : विकास, सुधार
तरक्की : प्रगति, उन्नति, विकास
कप्तान : नेता, सेनापति
प्रभावित : मोहित, आकर्षित
श्रेय : यश, कीर्ति
स्वर्ण पदक : सोने का सिक्का
छावनी : सैनिकों के रहने का क्षेत्र।

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **"दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है। अगर तुम मुझे हॉकी नहीं मारते तो शायद मैं तुम्हें दो ही गोल से हराता।" मेजर ध्यानचंद की इस बात से उनके बारे में क्या पता चलता है?**

- **वे अत्यंत क्रोधी थे।**
- **वे अच्छे ढंग से बदला लेते थे।**
- **उन्हें हॉकी से मारने पर वे अधिक गोल करते थे।**
- **वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए। ★**

2. **लोगों ने मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहना क्यों शुरू कर दिया?**

- **उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण ★**
- **उनकी हॉकी स्टिक की अनोखी विशेषताओं के कारण**
- **हॉकी के लिए उनके विशेष लगाव के कारण**
- **उनकी खेल भावना के कारण**

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. अन्य विकल्पों में या तो क्रोध, बदला लेने की प्रवृत्ति या हॉकी स्टिक पर जोर दिया गया है, जबकि मेजर ध्यानचंद के इस वाक्य का मुख्य उद्देश्य खेल भावना को समझाना है।
2. "हॉकी का जादूगर" का खिताब उनके विशेष कौशल के कारण ही मिला। अन्य विकल्प उनके कौशल के बजाय अन्य कारकों पर जोर देते हैं।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द	अर्थ या संदर्भ	उत्तर.
1. लांस नायक	1. स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था।	1. 2
2. बर्लिन ओलंपिक	2. भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।	2. 4
3. पंजाब रेजिमेंट	3. सैनिकों के रहने का क्षेत्र।	3. 1
4. सैंपर्स एंड माइनर्स टीम	4. वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रतियोगिता, जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था	4. 5

5. सूबेदार 6. छावनी	5. स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की भारतीय सेना का एक दल। 6. अंग्रेज़ों के समय का एक हॉकी दल।	5. 6 6. 3

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

(क) "बुरा काम करने वाला आदमी हर समय इस बात से डरता रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।"

अर्थ: इस पंक्ति का सीधा सा मतलब है कि जो व्यक्ति बुरा काम करता है, वह हमेशा इस डर में रहता है कि उसके साथ भी कोई बुरा काम करेगा। यानी बुराई का जवाब बुराई से मिलना ही स्वाभाविक है।

(ख) "मेरी तो हमेशा यह कोशिश रहती कि मैं गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे दूँ ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। अपनी इसी खेल भावना के कारण मैंने दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।"

अर्थ: इस पंक्ति में मेजर ध्यानचंद अपनी खेल भावना के बारे में बता रहे हैं। वे कहते हैं कि वे हमेशा चाहते थे कि उनकी टीम जीते और इसलिए वे अपने साथी खिलाड़ियों को गोल करने का मौका देते थे।

सोच-विचार के लिए

स्मरण को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

(क) ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य था?

उत्तर: ध्यानचंद की सफलता का रहस्य उनकी लगन, साधना, और खेल भावना थी। उन्होंने खेल को सही भावना से खेला और हमेशा अपनी टीम को महत्व दिया।

(ख) किन बातों से ऐसा लगता है कि ध्यानचंद स्वयं से पहले दूसरों को रखते थे?

उत्तर: ध्यानचंद हमेशा यह कोशिश करते थे कि वे गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दें ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। उन्होंने हमेशा टीम को प्राथमिकता दी और अपने व्यक्तिगत लाभ से पहले टीम की जीत को महत्व दिया।

संस्मरण की रचना

"उन दिनों में मैं, पंजाब रेजिमेंट की ओर से खेला करता था।"

इस वाक्य को पढ़कर ऐसा लगता है मानो लेखक आपसे यानी पाठक से अपनी यादों को साझा कर रहा है। इस पाठ में ऐसी और भी अनेक विशेष बातें दिखाई देती हैं।

(क) अपने-अपने समूह में मिलकर इस संस्मरण की विशेषताओं की सूची बनाइए।

उत्तर:

- यह संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित है।
- इसमें खेल भावना और अनुशासन का महत्व बताया गया है।
- लेखक की सरलता और टीम भावना को दर्शाता है।
- प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद है।

(ख) अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझाककीजिए।

उत्तर: यह संस्मरण व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित है। इसमें खेल भावना और अनुशासन का महत्व बताया गया है। लेखक की सरलता और टीम भावना को दर्शाता है। प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद है।

शब्दों के जोड़े, निम्न प्रकार के

(क) "जैसे-जैसे मेरे खेल में निखार आता गया, वैसे-वैसे मुझे तरक्की भी मिलती गई।" इस वाक्य में 'जैसे-जैसे' और 'वैसे-वैसे' शब्दों के जोड़े हैं जिनमें एक ही शब्द दो बार उपयोग में लाया गया है। ऐसे जोड़ों को 'शब्द-युग्म' कहते हैं। आप भी ऐसे पाँच शब्द-युग्म लिखिए।

- चलते - चलते
- छोटे-छोटे
- देखते - देखते
- धीरे-धीरे
- जल्दी - जल्दी

(ख) 'खेल के मैदान में धक्का-मुक्की और नोंक-झोंक की घटनाएँ होती रहती हैं।"

इस वाक्य में भी आपको दो शब्द-युग्म दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इन शब्द-युग्मों के दोनों शब्द भिन्न-भिन्न हैं, एक जैसे नहीं हैं। आप भी ऐसे पाँच शब्द-युग्म लिखिए जिनमें दोनों शब्द भिन्न-भिन्न हों।

- खेलना-कूदना
- रुकना - चलना
- ऊपर - नीचे
- सोना - जागना
- उतरना - चढ़ना

(ग) "हार या जीत मेरी नहीं, बल्कि पूरे देश की है।"

"आज मैं जहाँ भी जाता हूँ बच्चे व बूढ़े मुझे घेर लेते हैं।"

इन वाक्यों में जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उन्हें ध्यान से पढ़िए। हम इन शब्दों को योजक की सहायता से भी लिख सकते हैं, जैसे हार-जीत, बच्चे-बूढ़े आदि। आप नीचे दिए गए शब्दों को योजक की

सहायता से लिखिए

- **अच्छा या बुरा** = अच्छा - बुरा
- **उत्तर और दक्षिण** = उत्तर - दक्षिण
- **छोटा या बड़ा** = छोटा - बड़ा

- **गुरु और शिष्य** = गुरु - शिष्य
- **अमीर और गरीब** = अमीर - गरीब
- **अमृत या विष** = अमृत - विष

बात पर बल देना

"मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है।"
"मैंने तो अपना बदला ले लिया है।"
इन दोनों वाक्यों में क्या अंतर है? ? ध्यान दीजिए और बताइए। सही पहचाना! दूसरे वाक्य में। एक शब्द कम है। उस एक शब्द के न होने से वाक्य के अर्थ में भी थोड़ा अंतर आ गया है।

हम अपनी बात पर बल देने के लिए कुछ विशेष शब्दों का प्रयोग करते हैं जैसे 'ही', 'भी 'तो' आदि। पाठ में से इन शब्दों वाले वाक्यों को चुनकर लिखिए। ध्यान दीजिए कि यदि उन वाक्यों में ये शब्द न होते तो उनके अर्थ पर इसका क्या प्रभाव पड़ता।

- **उन दिनों भी यह सब चलता था।** = उन दिनों यह सब चलता था।
- **मेरे इतना कहते ही वह खिलाड़ी घबरा गया।** = मेरे इतना कहते ही खिलाड़ी घबरा गया।
- **अब वह हर समय मुझे ही देखता रहता था।** = अब वह हर समय मुझे देखता रहता था।
- **उसके साथ भी बुराई की जाएगी।** = उसके साथ बुराई की जाएगी।
- **मैं जहाँ भी जाता हूँ बच्चे व बूढ़े मुझे घेर लेते हैं।** = मैं जहाँ जाता हूँ बच्चे व बूढ़े मुझे घेर लेते हैं।
- **लगन, साधना और खेल भावना ही सफलता का** = लगन, साधना और खेल भावना सफलता का **सबसे बड़ा मूलमंत्र है।** सबसे बड़ा मूलमंत्र है।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) ध्यानचंद के स्थान पर आप होते तो क्या आप बदला लेते? यदि हाँ, तो बताइए कि आप बदला किस प्रकार लेते?

उत्तर: यदि मैं ध्यानचंद के स्थान पर होता तो मुझे अपने प्रतिद्वंदी पर क्रोध तो आता और पलटकर बदला लेने की इच्छा भी होती। एक खिलाड़ी होने के नाते स्वयं पर संयम रखता क्योंकि हार-जीत होना खेल का नियम होता है।
मारपीट या ईर्ष्या करने वाला खिलाड़ी कभी सच्चा खिलाड़ी नहीं हो सकता, यह सोचकर चुप रहता ।

(ख) आपको कौन-से खेल और कौन-से खिलाड़ी सबसे अधिक अच्छे लगते हैं? क्यों?

उत्तर: हमे क्रिकेट अच्छा लगता हैं और विराट कोहली बहुत पसंद है। यह खेल दुनियाभर में खेला जाता है। विराट कोहली यह खेल जान लगाकर खेलते है। उनके खेलने की शैली हमे पसंद आती हैं।

समाचार - पत्र से

(क) क्या आप समाचार-पत्र पढ़ते हैं? समाचार-पत्रों में प्रतिदिन खेल के समाचारों का एक पृष्ठ प्रकाशित होता है। अपने घर या पुस्तकालय से पिछले सप्ताह के समाचार पत्रों को देखिए। अपनी पसंद का एक खेल-समाचार अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: स्वयं कीजिए।

(ख) मान लीजिए कि आप एक खेल संवाददाता हैं और किसी खेल का आँखों देखा प्रसारण कर रहे हैं। अपने समूह के साथ मिलकर कक्षा में उस खेल का आँखों देखा हाल प्रस्तुत कीजिए। (संकेत–इस कार्य में आप आकाशवाणी या दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले खेल-प्रसारणों की कमेंटरी की शैली का उपयोग कर सकते हैं। बारी-बारी से प्रत्येक समूह कक्षा में सामने डेस्क या कुर्सियों पर बैठ जाएगा और पाँच मिनट के लिए किसी खेल के सजीव प्रसारण की कमेंटरी का अभिनय करेगा।)

उत्तर: स्वयं कीजिए।

आज की पहेली

यहाँ एक रोचक पहेली दी गई है। इसमें आपको तीन खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं। आपको पता लगाना है कि कौन-से खिलाड़ी द्वारा गोल किया जाएगा-